जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय उ०प्र०
लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सेवायोजन सेवायें

पृष्ठभूमि

- द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरान्त विस्थापित सैनिकों के पुनर्स्थापन हेतु वर्ष १९४५ में सेवायोजन निदेशालय स्थापित किया गया ।
- भारत के विभिन्न भागों में इसके अधीन रोजगार कार्यालयों की स्थापना की गयी ।
- शिवाराव कमेटी की आख्या के आधार पर वर्ष १९५६ से रोजगार कार्यालयों का दैनिक प्रशासन प्रदेश सरकारों को हस्तान्तरित कर दिया गया ।
- विभाग की नीतियों एवं प्रक्रियाओं का निर्धारण भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय के अधीन महानिदेशक, रोजगार एवं प्रशिक्षण के द्वारा ही किया जाता है ।
- रोजगार कार्यालय को और प्रभावी बनाने के लिये संसद द्वारा रोजगार कार्यालय (अनिवार्य रिक्ति अधिसूचन) अधिनियम, १९५९ पारित किया गया ।
- यह अधिनियम मई १९६० से जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण देश में प्रभावी किया गया ।

हमारी सेवायें

नियोजकों के लिये

- वांछित पद हेतु सुयोग्य अभ्यर्थी
- अन्य क्षेत्रों से मानव शक्ति की आपूर्ति
- मानव शक्ति उपलब्धता, कमी तथा अधिकता की सूचना
- औद्योगिक रोजगार से सम्बन्धित सूचनायें
- मानव शक्ति मांग एवं आपूर्ति का आकलन
- रोजगार कार्यालयों के माध्यम से रिक्त पदों की पूर्ति सामाजिक न्याय को बढावा देती है तथा विज्ञापन व्यय को कम करती है ।

प्रदत्त सुविधायें

नियोजकों के लिये

वांछित पद हेतु सुयोग्य अभ्यर्थी ।
अन्य क्षेत्रों से मानव–शक्ति की आपूर्ति ।
मानव शक्ति की उपलब्धता, कमी तथा अधिकता की सूचना।
औद्योगिक रोजगार से सम्बन्धित सूचना ।
मानव–शक्ति मांग एवं आपूर्ति का आकलन ।
रोजगार कार्यलयों के माध्यम से रिक्त पदों की पूर्ति सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे कर विज्ञापन व्यय को कम करती है ।

रोजगार खोजने वालों के लिये

स्थानीय एवं बाहरी रिक्तियों में उपयुक्त रोजगार उपलब्ध कराना ।
व्यावसायिक एवं रोजगार बाजार सूचना उपलब्ध कराना ।
उच्च शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण की सूचना उपलब्ध कराना।
छात्रवृत्ति तथा अध्येतावृत्ति से संबंधित सूचनायें उपलब्ध कराना
व्यवसाय मार्ग निर्देशन ।
स्वतः राजगार क्षेत्रों के बारे में सूचनायें ।
साक्षात्कार के सम्बन्ध में मार्गदर्शन ।

छात्रों के लिये

विश्वविद्यालय के छात्रों को सुयोग्य रोजगार ।
विश्वविद्यालय के छात्रों को रोजगार सूचना तथा व्यावसायिक कठिनाइयों के निराकरण हेतु परामर्श ।
विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश से संबंधित सूचनायें ।
विशेषज्ञों द्वारा रोजगार के संबंध में व्यवसाय वार्ताओं का आयोजन।
छात्रों को औद्योगिक संस्थानों का भ्रमण करा कर उन्हे रोजगार जगत से परिचित कराना ।
व्यावसायिक साहित्य का प्रकाशन ।
छात्रों को अंशकालिक रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना।

सेवायोजन कार्यालय द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्य

<u>सेवायोजन सहायता कार्यक्रम</u> :–

- सेवायोजन कार्यालय की सभी सेवायें पूर्णतया निःशुल्क हैं ।
- अभ्यर्थी जो रोजगार के अवसरों, बेहतर रोजगार के अवसरों तथा स्वतः रोजगार अपनाने के इच्छुक हों अपना पंजीयन सेवायोजन कार्यालय में करा सकते हैं।
- पंजीयन कराने हेतु अभ्यर्थी अपनी शैक्षिक योग्यताओं, प्रशिक्षण, अनुभव तथा जाति और पत्रव्यवहार के पते के साथ कार्यालय में उपस्थित हों ।
- कार्यालय में बेरोजगारों का पंजीयन उनकी शैक्षिक/ तकनीकी योग्यता, अनुभव, जाति, धर्म तथा रोजगार की उपयुक्तता के आधार पर किया जाता है ।
- पंजीयन अभिलेख राष्ट्रीय व्यावसायिक वर्गीकरण के आधार पर रखे जाते हैं ।
- सेवायोजन कार्यालय में अधिसूचित रिक्तियों के विरूद्ध कार्यालय में पंजीकृत अभ्यर्थियों का सम्प्रेषण नियोजक द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पंजीयन वरीयता क्रम से किया जाता है ।
- सेवायोजन कार्यालय के पंजीयन शिक्षा, आयु, अनुभव, लिंग, धर्म तथा जाति के अनुसार मानवशक्ति की उपलब्धता के आंकड़े उपलब्ध कराते हैं ।

व्यवसाय मार्ग निर्देशन

इस इकाई द्वारा अभ्यर्थियों, छात्रों को उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण तथा रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी प्रदान की जाती है ।

अभ्यर्थियों को उनकी अभिरूचि, क्षमता एवं अवसरों की उपलब्धता के आधार पर अपना व्यवसाय चुनने में मदद की जाती है ।

कार्यालय में गतिविधियां :–

सेवायोजन कार्यालय में पंजीयन के समय अभ्यर्थियों को पंजीयन निर्देशन ।

व्यावसायिक साहित्य, पोस्टर, समाचार पत्रों एवं विज्ञापित रिक्तियों का प्रदर्शन ।

कार्यालय के बाहर गतिविधियां :–

स्कूलों एवं कालेजों में कैरियर कार्नरों की स्थापना ।

विद्यालयों में व्यवसाय वार्ताओं का आयोजन ।

व्यावसायिक साहित्य का प्रकाशन एवं वितरण

सेवायोजन कार्यालय (अनिवार्य रिक्ति अधिसूचन) अधिनियम १९५९ का प्रवर्तन

अधिनियम के प्राविधान :–

- संगठित क्षेत्र के प्रत्येक नियोजक को निर्धारित प्रारूप पर अपने अधिष्ठान में होने वाली रिक्तियों की सूचना सेवायोजन कार्यालय को अनिवार्य रूप से अधिसूचित किया जाना ।

- संगठित क्षेत्र के प्रत्येक नियोजक को अपने अधिष्ठान में कार्यरत कार्मिकों की सूचना प्रत्येक त्रिमास में प्रारूप ई.आर. –१ में सेवायोजन कार्यालय को उपलब्ध कराना ।

- संगठित क्षेत्र के प्रत्येक नियोजक को दो वर्ष में एक बार अपने अधिष्ठान के कर्मचारियों के पद एवं शैक्षिक योग्यता के संबंध में सूचना (निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र क्रमशः) निर्धारित प्रारूप ई.आर.–।। पर उपलब्ध कराना ।

- जिला सेवायोजन अधिकारी अधिनियम के प्राविधानों के अनुसार नियोजकों के अभिलेखों का निरीक्षण कर सकते हैं।

- दोषी नियोजकों को दण्डित किये जाने का भी प्राविधान है।

रोजगार बाजार सूचना कार्यक्रम

- त्रैमासिक आधार पर संगठित क्षेत्र के नियोजकों से उनके अधिष्ठान के कर्मचारियों, रिक्तियों तथा जिन पदों हेतु योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हैं, ऐसी रिक्तियों की सूचना एकत्र की जाती है।
- निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से क्रमशः द्विवार्षिक आधार पर पद एवं योग्यता के आधार पर कर्मचारियों की सूचना का एकत्रीकरण, संकलन तथा प्रदर्शन किया जाता है।
- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सूचनाओं का संकलन सेवायोजन कार्यालय (अनिवार्य रिक्ति अधिसूचन) अधिनियम १९५९ के अन्तर्गत किया जाता है।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के अनुसार नियोजन एवं मानव शक्ति की आवश्यकता का आकलन प्रस्तुत किया जाता है।

स्वतः नियोजन कार्यक्रम

सवेतन रोजगार के सीमित अवसरों को देखते हुये वर्तमान में स्वतः नियोजन ही बेरोजगारी का एकमात्र समाधान है। स्वतः नियोजन प्रोन्नयन हेतु सेवायोजन कार्यालय द्वारा निम्न प्रयास किये जाते हैं :–

- विभिन्न स्वतः रोजगार के क्षेत्रों की सूचना उपलब्ध कराते हुये बेरोजगारों को स्वतः रोजगार अपनाने के लिये प्रेरित किया जाता है।
- स्वतः नियोजन के इच्छुक अभ्यर्थियों का अलग से पंजीयन किया जाता है। अभ्यर्थियों की अभिरूचि, आर्थिक स्थिति एवं पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर उन्हे स्वरोजगार हेतु उपयुक्त व्यवसाय अपनाने की सलाह दी जाती है।
- स्वतः रोजगार हेतु ऋण के लिये अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र विभिन्न संस्थाओं को अग्रसारित किये जाते हैं।

शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र

समाज के कमजोर वर्गों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग एवं विकलांग अभ्यर्थियों की सेवायोजकता में वृद्धि हेतु शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्रों की स्थापना की गई है ।

इन केन्द्रों द्वारा निम्न सुविधायें प्रदान की जाती हैं :–

- आधुनिक कार्यालय प्रबन्ध का एक वर्ष का प्रशिक्षण
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निर्देशन ।

केन्द्र में अभ्यर्थियों को हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा, सचिवीय पद्धति, सामान्य ज्ञान एवं सामयिक घटनाक्रम तथा टंकण एवं आशुलिपि का प्रशिक्षण तथा कम्प्यूटर संचालन का कार्यकारी ज्ञान प्रदान किया जाता है ।

स्नातक के बाद क्या ?

प्रत्येक वर्ष बडी संख्या में युवक–युवतियां स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। इसके बाद उनके सम्मुख प्रमुख प्रश्न होता है – ''इसके बाद क्या''? प्रत्येक के सामने मुख्य प्रश्न यह होता है कि यदि आगे शिक्षा प्राप्त की जाये तो किस प्रकार का कोर्स किया जाय, यदि कोई प्रशिक्षण प्राप्त किया जाय तो कौन सा? अथवा यदि किसी रोजगार की तलाश करनी हो तो वह कौन सा हो? किसी प्रकार की उपयुक्त सामयिक सूचना के अभाव में युवक– युवतियां दिग्भ्रमित रहते हैं। परिणाम यह होता है कि उन्हे अपनी रूचि से कम अथवा अरूचि की शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार अथवा स्वरोजगार का चुनाव करना पडता है। स्नातक स्तर के बाद शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोजगार के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नवत् हैं :–

स्नातकोत्तर शिक्षा के क्षेत्र

स्नातक योग्यता के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के अवसर हैं। यह दो वर्षीय होते हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त एक से लेकर दो वर्षीय अवधि के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भी स्नातक डिग्री धारी के लिए प्रवेश के अवसर हैं। स्नातकोत्तर शिक्षा को सामान्यतया तीन वर्गों में बांटा जा सकता है–

1. सामान्य पाठ्यक्रम 2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम 3. व्यावसायिक पाठ्यक्रम

सामान्य पाठ्यक्रम–

1.(अ)– कला पाठ्यक्रम– इसमें अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अन्य भाषाएं तथा दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर तथा मास्टर आफ फाइन आर्ट्स (एम0एफ0ए0) पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

(ब)– सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम	प्रवेश योग्यता
एम0ए0– अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र	कला अथवा वाणिज्य स्नातक एवं स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
एम0ए0 पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	किसी भी विषय में स्नातक
एम0एस0डब्लू0	किसी भी क्षेत्र से स्नातक
एम0पी0ई0(मास्टर इन फिजिकल हेल्थ एंड स्पोर्टस एजूकेशन)	फिजिकल हेल्थ में स्नातक उपाधि
एम0ए0 क्रिमिनोलाजी	स्नातक

2.विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम	प्रवेश योग्यता
एम0एस0सी0 कमेस्ट्री, फिजिक्स, मैथमेटिक्स, सांख्यकीय	बी0एस0सी0 भौतिक, रसायन, गणित वर्ग
एम0एस0सी0 जियोलाजी	बी0एस0सी0 जियोलाजी के साथ

एम0एस0सी0 गृहविज्ञान	स्नातक गृहविज्ञान
एम0एस0सी0 वाटनी, जुलोजी, फिशरीज	बी0एस0सी0 जन्तु विज्ञान ग्रुप के साथ
एम0एस0सी0 वायोटैक्नालाजी	स्नातक साइंस, कृषि, वेटनरी, इंजीनियरिंग, मेडिसिन
एम0एस0सी0 वाइल्ड लाइफ साइंस	बी0एस0सी0 जन्तु विज्ञान, इनवायरनमेंण्टल वायोलोजी, फारेस्ट्री, कृषि, इकोलाजी, वेटनरी साइंस

3.कृषि विषयक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रवेश योग्यता
एम0एस0सी0 कृषि, प्लान प्रोटेक्शन, इकोनामिक्स एण्ड बिजनेस मैनेजमेंट	बी0एस0सी0 कृषि अथवा जन्तु विज्ञान अथवा बी0ए0 अर्थशास्त्र अथवा बी0काम0
पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालाजी (एम0टेक0–कृषि)	बी0एस0सी0 इंजीनियरिंग अथवा कृषि इंजीनियरिंग अथवा केमिकल या बायोकेमिकल इंजीनियरिंग

4.वाणिज्य विषयक पाठ्यक्रम– एम0काम0 में प्रवेश हेतु स्नातक वाणिज्य होना अनिवार्य है।

5. विधि विषयक पाठ्यक्रम– दो वर्षीय एल0एल0एम0 कोर्स हेतु एल0एल0बी0 उपाधि आवश्यक है।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम	अवधि	अर्हता
डिप्लोमा इन कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स	एक वर्षीय	स्नातक कम से कम इण्टरमीडिएट स्तर पर गणित विषय अनिवार्य
डिप्लोमा इन बैंक एडमिनिस्ट्रेशन	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन परसोनेल मैनेजमेट	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन विज्ञापन एवं विपणन	एक वर्षीय	स्नातक
एडवान्स डिप्लोमा इन सेल्स एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेट	दो वर्षीय	स्नातक
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सेल्स एण्ड मार्केटिंग	दो वर्ष छः माह	स्नातक
डिप्लोमा इन म्यूजियोलाजी	एक वर्षीय	बी0एस0सी0/बी0ए0 फाइन आर्ट्स
डिप्लोमा इन कम्पनी ला, बैंकिग इन इंश्योरेन्स	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन लेबर ला एण्ड लेबर रिलेशन्स	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन क्रिमिनोलाजी एण्ड क्रिमिनल एडमिनिस्ट्रेशन	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन पेस्ट मैनेजमेंट	एक वर्षीय	बी0एस0सी0 जीव विज्ञान

डिप्लोमा इन लेब्रोरेट्री टेक्नालाजी (फिजिकल एण्ड केमिकल)	एक वर्षीय	बी0एस0सी0 इण्टर स्तर पर भौतिक तथा रसायन विज्ञान
डिप्लोमा इन जेम टेस्टिंग एण्ड आर्ट आफ लैपिडेरी	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन एप्लाइड आर्ट	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल मेन्टीनेन्स	एक वर्षीय	बी0एस0सी0 गणित एवं भौतिक शास्त्र
डिप्लोमा इन कार्टो ग्राफी	एक वर्षीय	बी0ए0/बी0एस0सी0 भूगोल के साथ
डिप्लोमा इन आर्थोपाडिक्स	एक वर्षीय	बी0एस0सी0(भौतिक एवं जन्तु विज्ञान)
डिप्लोमा इन पिसीकल्चर	एक वर्षीय	बी0एस0सी0 (वनस्पति अथवा जन्तु विज्ञान)
डिप्लोमा इन हार्टीकल्चर	एक वर्षीय	स्नातक (इण्टर मीडिएट में जीव विज्ञान)
डिप्लोमा इन जर्नलिज्म	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग एण्ड मशीन आपरेशन	एक वर्षीय	स्नातक
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पब्लिक रिलेशन	एक वर्षीय	स्नातक
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टेक्शेसन	एक वर्षीय	स्नातक
ध्वन्यांकन एवं ध्वनि इंजीनियरिंग मे डिप्लोमा	एक वर्ष छः माह	भौतिक तथा गणित विषय से बी0एस0सी0
पत्रकारिता में डिप्लोमा	एक वर्षीय	स्नातक
जनसम्पर्क में डिप्लोमा	एक वर्षीय	स्नातक
शहरी प्रशासन और प्रबन्धन में डिप्लोमा	एक वर्षीय	स्नातक(लोक प्रशासन को वरीयता)
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एण्ड एपलाइड न्यूट्रीशंन	एक वर्षीय	स्नातक
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिशरीज साइंस	दो वर्षीय	स्नातक जन्तु विज्ञान
डिप्लोमा इन इण्डस्ट्रियल फर्मेन्टेशन एण्ड अल्कोहल टेक्नालाजी	एक वर्ष चार माह का प्रैक्टिल प्रशिक्षण	बी0एस0सी0
डिप्लोमा इन इकोनामिक्स	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन रूरल स्टडीज एण्ड कोआपरेशन	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन कोआपरेटिव मैनेजमेंट	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन इकोनामिक एडमिनिस्ट्रेशन	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन रूरल डेवलेपमेंट	एक वर्षीय	स्नातक
सांख्यकीय में डिप्लोमा	एक वर्षीय	स्नातक (साख्यकीय विषय)
डिप्लोमा इन आर्कियोलाजी	एक वर्षीय	स्नातक (कला)
डिप्लोमा इन एजूकेशन एण्ड वोकेशनल गाइडेंस	एक वर्षीय	स्नातक
डिप्लोमा इन साइकोलाजिकल मेडिसन	एक वर्षीय	स्नातक चिकित्सा
डिप्लोमा इन सोशल वेल्फेयर	दो वर्षीय	स्नातक (सामाजिक विज्ञान)

व्यावसायिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम–

व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर डिग्री, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम , अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम अथवा एशोसिएटशिप पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

1.इंजीनियरिंग व्यवसाय– इंजीनियरिंग व्यवसायों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, रीजनल इंजीनियरिंग कालेज (वर्तमान में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी) तथा अन्य निजी क्षेत्र के इंजीनियरिंग कालेजों द्वारा संचालित किया जाता है। इंजीनियरिंग के कुछ विशिष्ट पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं–

पाठ्यक्रम	अवधि	अर्हता
एम0टेक0 माइनिंग	1 वर्ष 6 माह	बी0टेक0 माइनिंग
एम0टेक0 मिनिरल प्रोसेसिंग	3 वर्षीय	बी0एस0सी0 भौतिक, रसायन, गणित/भूगर्भ शास्त्र/ मिनिरल इंजीनियरिंग
एम0टेक0 मिनरल (माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइनिंग)	1 वर्ष 6 माह	बी0टेक0, माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन
मास्टर आफ जियोटेक्नीकल इंजीनियरिंग	1 वर्ष 6माह	बी0ई0 माइनिंग
एम0एस0सी0 (मिनरल एक्सप्लोरेशन)	2 वर्षीय	बी0एस0सी0 (भूगर्भ शास्त्र)
एम0एस0सी0 (मिनरल प्रोसेसिंग एण्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन)	2 वर्षीय	बी0एस0सी0 (भूगर्भ शास्त्र)
एम0एस0सी0 (मिनरल प्रोसेंसिंग इन्जीनियरिंग)	1 वर्षीय	बी0टेक0/(केमिकल इंजीनियरिंग/ मेट्लरजी, एम0एस0सी0) भूगर्भ शास्त्र
शहरी एवं क्षेत्रीय आयोजना में स्नातकोत्तर	2 वर्षीय	स्नातक वस्तुशिल्प/ सिविल इंजीनियरिंग
नगर आयोजना में स्नातकोत्तर	2 वर्षीय	स्नातक वस्तुशिल्प/ सिविल इंजीनियरिंग
मास्टर आफ आर्किटेक्चर	1 वर्ष 6 माह	आर्किटेक्चर में स्नातक डिग्री अथवा समकक्ष
मास्टर आफ अरबन एण्ड रूरल प्लानिंग	1 वर्ष 6 माह	स्नातक डिग्री आर्किटेक्चर/ सिविल इंजीनियरिंग
मास्टर आफ बिल्डिंग साइंस एण्ड टेक्नालाजी	1 वर्ष 6 माह	स्नातक डिग्री, सिविल इंजीनियरिंग/ आर्किटेक्चर
मास्टर आफ स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग(ब्रिज)	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0 सिविल
मास्टर आफ ट्रान्सपोर्टेशन इंजीनियरिंग	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0 सिविल इंजीनियरिंग
केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग	1 वर्ष 6 माह	सम्बन्धित ब्रांच में बी0एस0सी0 इंजीनियरिंग
पावर अपरेटस एण्ड इलेक्ट्रिक डिवाइसेज	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0/बी0टेक0 (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
पावर सिस्टम इंजीनियरिंग	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0/बी0टेक0 (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
मेजरमेंट एण्ड इन्स्ट्रूमेण्टेशन मास्टर आफ	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0/बी0टेक0 इलेक्ट्रिकल/

सिस्टम इंजीनियरिंग एण्ड आपरेशन रिसर्च एम0टेक0		इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन/ इन्सट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग
टेलीवीजन टेक्नालाजी	1 वर्ष 6 माह	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा टेलिविजन टेक्नालाजी
एम0ई0 सोलिड स्टेट इलेक्ट्रानिक्स	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0 इलेक्ट्रानिक्स
पी0जी0 डिप्लोमा टेलिविजन टेक्नालाजी	1 वर्ष	बी0ई0 इलेक्ट्रानिक्स
मास्टर आफ हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई0
मास्टर आफ रिमोट सेन्सिंग एण्ड फोटोग्रेमैट्रिक इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई सिविल/ आर्कीटेक्चर
एम0ई0 मशीन डिजाइन इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई0 डिग्री (मेकेनिकल, इण्डस्ट्रियल / प्रोडक्शन / एयरोनाटिकल इंजीनियरिंग)
एम0ई0 प्रोडक्शन एण्ड इण्डस्ट्रियल सिस्टम इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई0 डिग्री (मेकेनिकल, इण्डस्ट्रियल / प्रोडक्शन / सिस्टम इंजीनियरिंग)
एम0ई0 थर्मल इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई0 डिग्री (मेकेनिकल, इण्डस्ट्रियल / प्रोडक्शन / केमिकल/ एयरोनाटिकल इंजीनियरिंग)
एम0ई0 वेल्डिंग इंजीनियरिंग	2 वर्ष	बी0ई0 डिग्री (मेकेनिकल, इण्डस्ट्रियल / प्रोडक्शन / केमिकल/ मेटलरजिकल इंजीनियरिंग)
एम0ई0 इण्डस्ट्रियल मेटलरजी	2 वर्ष	बी0ई0 डिग्री (मेकेनिकल, इण्डस्ट्रियल / प्रोडक्शन / मेटलरजिकल इंजीनियरिंग)
एम0ई0 एक्सट्रैक्टिव मेटलरजी	2 वर्ष	बी0ई0 मेटलरजिकल इंजीनियरिंग
एम0ई0 फिजिकल मेटरलरजी	2 वर्ष	बी0ई0 मेटलरजिकल इंजीनियरिंग
बी0टेक0 एग्रीकल्चर, सिविल, इलेक्ट्रिकल, मेकेनिकल, प्रोडक्शन, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	–	बी0ई0/बी0टेक0/बी0 आर्कीटेक्चर
एम0ई0 दूरसंचार	2 वर्ष	बी0ई0/बी0एस0सी0/बी0टेक0
एम0एस0सी0 (इंजीनियरिंग)	2 वर्ष	बी0एस0सी0 (इंजीनियरिंग)
एम0ई0 (कन्ट्रोल एण्ड गाइडेन्स)	2 वर्ष	बी0ई0 इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
एम0ई0 कम्यूनिकेशन सिस्टम	2 वर्ष	बी0ई0 इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
एम0ई0 माइक्रोवेव एण्ड राडार	2 वर्ष	बी0ई0 इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
एम0ई0 स्वायल डायनामिक्स	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0 सिविल/मैकेनिकल
एम0ई0 स्ट्रकचरल	1 वर्ष 6 माह	बी0ई0 सिविल/मैकेनिकल
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन अर्थक्वेक इंजीनियरिंग	1 वर्ष	बी0ई0 सिविल/मैकेनिकल
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन अर्थक्वेक टेक्नालाजी	1 वर्ष	एम0एस0सी0/एम0टेक0 (भौतिकी, जिओफिजिक्स, जिओलाजी)

मास्टर आफ इजीनियरिंग (इण्डस्ट्रियल पाल्यूशन अबेटमेन्ट)	1 वर्ष 6 माह	स्नातक इंजीनियर केमिकल/पल्प एण्ड पेपर/ सिविल/ मैकेनिकल, इनवायरनमेन्टल/ बायोकेमिकल/ केमिकल इंजीनियरिंग
मास्टर आफ इनवायरनमेण्टल इंजीनियरिंग	1 वर्ष 6 माह	स्नातक इनवायरनमेण्टल इंजीनियरिंग

2.चिकित्सा व्यवसाय– भारत में सामान्यतः दो प्रकार की चिकित्सा पद्धतियां व्यवहार में लाई जाती हैं।

1. एलोपैथी 2. देशी पद्धति

आधुनिक चिकित्सा में मान्यता प्राप्त डिग्रीधारक (एम0बी0बी0एस0) चिकित्सक और सर्जन (शल्य चिकित्सक), एलोपैथी व्यवहार में लाते हैं। आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति के डिग्री धारक देशी पद्धति में प्रैक्टिस करते हैं। अन्य चिकित्सा पद्धतियों मे होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा और जीव रसायन पद्धति का उल्लेख किया जाता है।

चिकित्सा शिक्षा के अन्तर्गत निम्नलिखित क्षेत्रों में पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

1.मेडिसन 2. होम्योपैथी 3. डेन्टिस्ट्री 4. नर्सिंग 5. फार्मेसी 6. आयुर्वेदिक 7. यूनानी ।

उक्त विषयों से स्नातक योग्यताधारक आगे की शिक्षा तभी प्राप्त कर सकते हैं जब वे इन्टर्न के रूप में आवासिक नियुक्ति पर अस्पताल में एक वर्ष व्यतीत करें। इसे ‘‘हाउस जाब’’ की संज्ञा दी जाती है। ऐलोपैथी चिकित्सा शिक्षा में स्नातकोत्तर शिक्षा में पाठ्यक्रम यथा एम0डी0, एम0एस0 के अतिरिक्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है।

दन्त चिकित्सा में मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी (एम0डी0एस0) का दो वर्ष का पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

नर्सिग (परिचर्या) चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उन परिचारिकाओं के लिए उपलब्ध है जिन्होने सामान्य नर्सिग एवं मिडवाइफरी का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया हो। उक्त पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है। नर्सिंग एम0एस0सी0 का दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बी0एस0सी0 (नर्सिग) योग्यताधारक की प्रवेश हेतु अर्ह है।

फार्मेसी में एम0फार्मा का दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

3.प्रबन्धकीय व्यवसाय– वर्तमान में लगभग 200 से भी अधिक संस्थाओं द्वारा स्नातक योग्यताधारी युवक /युवतियों के लिए विभिन्न प्रबन्धकीय पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मुख्य रूप से यह संस्थाएं निम्नलिखित हैं–

1. विभिन्न विश्वविद्यालय
2. इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेट
3. इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी
4. विभिन्न ट्रस्ट एवं सोसायटी द्वारा संचालित संस्थाएं
5. इंस्टीट्यूट आफ रूरल मैनेजमेंट, आनन्द (गुजरात)
6. विभिन्न महाविद्यालय
7. अन्य निजी संस्थाएं

इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट निम्नलिखित स्थानों पर स्थित है–

1. प्रबन्ध नगर सीतापुर रोड, लखनऊ ।
2. जोका डायमण्ड हारवर रोड, कोलकाता।

3. वन्नरघट्टा रोड, बंगलौर ।
4. वस्त्रपुर अहमदाबाद।
5. इन्दौर।

4. कम्प्यूटर व्यवसाय– कम्प्यूटर व्यवसाय में एम0टेक0, एम0एस0सी0, एम0एस0 तथा एम0सी0ए0 के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। एम0टेक0 पाठ्यक्रम सामान्यतः डेढ़ वर्ष, एम0एस0सी0 तथा एम0एस0 दो वर्ष एवं एम0सी0ए0 तीन वर्ष का पाठ्यक्रम है। किसी किसी संस्थानमें यह पाठ्यक्रम ढाई वर्ष, चारवर्ष के भी है।

कम्प्यूटर व्यवसाय में एक वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम (जिनकी प्रवेश अर्हता स्नातक है) भी उपलब्ध हैं।

कम्प्यूटर व्यवसाय में उपरोक्त पाठ्यक्रम आई0आई0टी0 रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इंजीनियरिंग कालेज तथा विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त विभिन्न संस्थाओं द्वारा भी संचालित किये जाते हैं।

कम्प्यूटर के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के कुछ क्षेत्र निम्नवत् हैं :–

1. बायो इन्फारमेटिक्स एवं मल्टीमीडिया प्रोडक्शन।
2. डीओईएसीसी के ओ, ए, बी एवं सी लेवल पाठ्यक्रम।
3. इम्बेडेड सिस्टम्स एवं जावा एप्लीकेशन्स।
4. मेडिकल ट्रान्सक्रिप्शन, काल सेण्टर एवं जियो इन्फोरमेशन सिस्टम्स।

5. विधिक व्यवसाय– डिग्री धारकों के लिए विधि में शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रदेश एवं देश में विभिन्न विद्यालयों में पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। स्नातक शिक्षा प्राप्त लोंगो के लिए विधि में निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

एल0एल0बी0– तीन वर्ष
वी0जी0एल0– दोवर्ष
एल0एल0एम0– दो वर्ष (एलएलबी अर्हता धारकों हेतु)

उक्त पाठ्यक्रम या तो विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग में पढ़ाया जाता है अथवा उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में पढाया जाता है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, भागलपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय आदि विधि पाठ्यक्रमों मे प्राइवेट छात्र के रूप में भी अध्ययन की सुविधा प्रदान करते हैं।

पत्राचार के माध्यम से शिक्षा

नियमित शिक्षा के माध्यम के अतिरिक्त विभिन्न विषयों में पत्राचार पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। ये पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त विभिन्न गैर विश्वविद्यालयी संस्थाओं द्वारा भी चलाये जाते है।पत्राचार पाठ्यक्रम चलाने वाले विश्वविद्यालयों में प्रमुख इन्दिरागांधी मुक्त विश्वविद्यालय, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, एवं अन्नामलाई विश्वविद्यालय है।

स्नातकों हेतु प्रशिक्षण के क्षेत्र

किसी भी प्रकार की योग्यता के साथ एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अभ्यर्थी के ज्ञान मे व्यवहारिक ज्ञान का पुट जोड़ देता है। जिससे अभ्यर्थी की रोजगारपरकता में वृद्धि होती है। रोजगार बाजार की वर्तमान मांग के परिवेश में तथा व्यावसायिक शिक्षा के प्रचलन के फलस्वरूप अब सामान्यता प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से अलग चिन्हांकित करना सम्भव नहीं है। उक्त परिप्रेक्ष्य में इस अध्ययन में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अध्याय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के रूप में अधिकांश प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समावेश किया जा चुका है।

मोटे तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दो प्रकार के होते हैं– प्रथम विशुद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं– जो किसी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा चलाये जाते है। द्वितीय प्रकार के प्रशिक्षण वे प्रशिक्षण है– जो विभिन्न सेवायोजकों

द्वारा अपनी आवश्यकता के अनुरूप चलाये जाते है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सामान्यता विभिन्न व्यवसायों मे ंप्रशिक्षार्थी के रूप में अभ्यर्थियों का चयन कर, किया जाता है। अभ्यर्थियों को एक निश्चित अवधि तक एक नियत पारिश्रमिक पर, प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कुछ संस्थानों में समस्त प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के उपरान्त नियमित रूप से सेवायोजित कर लिया जाता है। कुछ संस्थनों मे ंप्रशिक्षण के उपरान्त, एक परीक्षा के उपरान्त, सफल अभ्यर्थियों का ही समायोजन किया जाता है।

कुछ निजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा जाब गारन्टी के साथ स-शुल्क प्रशिक्षण योजनायें संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं में ये संस्थान अपनी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण देती हैं तथा प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त सेवायोजन के अवसर भी उपलब्ध कराती हैं।

रोजगार के नये आयाम

आदिकाल से ही मानव में सृजनात्मक प्रवृत्ति पाई जाती है। मनुष्य प्रजाति ने सर्वप्रथम पेट भरने, सर्दी, गर्मी, ठण्डक एवं बरसात अर्थात् मौसम से बचने के लिये भोजन व गृह निर्माण सम्बन्धी आवश्यकता को महसूस करके उद्यमों को अपनाया। ज्यों-ज्यों मानव के ज्ञान का स्तर बढ़ता गया उसके जीवन स्तर में भी क्रमशः विकास होता गया। यदि हम इतिहास पर दृष्टिपात करें तो पाते हैं कि उसने कृषि, आवास एवं साधारण ललित कलाओं पर आधारित व्यवसायों को अपनाया जैसे अन्न उत्पादन, भवन निर्माण, अस्त्र-शस्त्र निर्माण, औषधियों का उत्पादन आदि। आग, पहिये, कागज एवं धातु का ज्ञान होते ही उसने आकाशीय ऊचाइयां छूने की उड़ान भरनी शुरू की। आज 21वीं शताब्दी में उसने वायुमण्डल, भूमण्डल या कहें कि सारी दुनिया को ही मुट्ठी में कर लिया है।

आज मानव ने महाभारत कालीन संजय की तरह कम्प्यूटर-इण्टरनेट के सहारे दुनिया के हर क्रिया-कलाप को देख, सुन और पढ़ सकने की सामर्थ्य विकसित कर ली है। इस पायदान पर पहुंच कर भी आज का युवा चिंता, अवसाद व उलझन में घिरा हुआ है। उत्साही व ऊर्जावान होते हुए भी उसे अपने कैरियर पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। कारण है, कड़ी प्रतिस्पर्धा एवं समाज के बदलते स्वरूप के अनुसार व्यवसाय के नये क्षेत्रों में सफल या असफल होने की आशंकाएं।

21वीं शताब्दी की शुरूआत उदारीकरण एवं वैश्विक-मंदी के दौर में हुई है। सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में कमी आयी है, परन्तु इसका आशय यह नहीं कि बेरोजगारी सुरसा की तरह विकराल हो गयी है या एड्स की तरह संसर्गिक रूप से भयावह। अगर गौर से देखें और समझें तो हम पायेंगे कि लोगों के जीवन स्तर में एवं आय में तेजी से उन्नति हो रही है। तेजी से उठते जीवन स्तर ने रोजगार के नये-नये अवसर खोले हैं। निराशा व कुण्ठा से निकल कर आज के युवाओं को सही समय पर अपनी रूचि एवं क्षमता के अनुसार कैरियर को चुनना होगा। योजना समय की पाबन्दी, लगन, दृढ़ इच्छाशक्ति व आत्मविश्वास के सहारे कोई भी युवा विश्व के सफलतम व्यक्तियों में अपना स्थान बना सकता है। आवश्यकता है बस, सही सोच, सही चुनाव व सही कदम की।

वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के युग में परम्परागत व्यवसाय व पाठ्यक्रम नाकाफी हो चले हैं। बेहतर भविष्य के लिए रोजगार परक उद्योगोन्मुखी पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर हम प्रगति के नये आयामें को तय कर सकते हैं।

रोजगार के कुछ प्रमुख नये क्षेत्र

01. सूचना प्रौद्योगिकी के कैरियर :

व्यवसाय	योग्यता	शुरुआती वेतन	रोजगार के अवसर
काल सेण्टर	हाईस्कूल एवं अंग्रेजी भाषा का ज्ञन एवं अच्छी आवाज	रू0-5000.00 से 1000.00 तक	वर्ष 2010 तक 1.5 लाख
मेडिकल ट्रांसक्रिप्सन	स्नातक, विदेशी भाषा एवं लहजा समझने की क्षमता	6000.00 से 10000.00तक	वर्ष 2003 में 2000
वेब डिजाइनिंग	सौन्दर्य बोध कला में डिग्री	10000.00 से 15000.00 तक	अनन्त
मीडिया कन्वर्जेस	कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा, कापी लेखन या वीडियो सम्पादन में कौशल	10000.00 से 15000.00 तक	वर्ष 2002 में 5000
नेपथ्य से संचालन	स्नातक ,इण्टरनेट व सामान्य ज्ञान की अच्छी जानकारी	10000.00 से 15000.00 तक	वर्ष 2002 में 3000
इवेंट मैनेजमेंट	स्नातक,पब्लिकेशन एवं एडवरटाइजिंग में डिप्लोमा रचनात्मक सोच और अपने विचारों को कार्य रूप देने की क्षमता	15000.00 से 20000.00 तक	अनन्त
एनिमेंशन	इण्टर विज्ञान विषय सहित एवं कम्प्यूटर कार्य में निपुणता	7000.00 से 10000.00 तक	असीमित
चिप लेवल इंजीनियरिंग	इण्टर विज्ञान विषय सहित, एडवांस स्कूल आफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेक्नालाजी(एसेट) के पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण	8000.00 से ऊपर	असीमित

02- सेवा क्षेत्र में कैरियर :

व्यवसाय	योग्यता	शुरुआती वेतन	रोजगार के अवसर
डे-केयर सेण्टर या केच	हाईस्कूल या समकक्ष ममता का भाव एवं बच्चों के मनोविज्ञान को समझने की क्षमता	3000.00 से ऊपर	05 व्यक्ति प्रति संस्था
सामाजिक कार्यकर्ता	समाज कार्य मे रूचि या समाज कार्य विषय में डिग्री	6000.00 से ऊपर	असीमित
एकाउन्टेण्ट	कामर्स विषय से परास्नातक या चार्टर्ड एकाउन्टेण्ट	15000.00 से ऊपर	अनुमानित अवसर
बीमा एजेण्ट	हाईस्कूल	कार्यकरने की क्षमता के अनुसार	अनुमानित अवसर
सलाहकार (कैरियर, वैवाहिक,स्वास्थ्य, कानूनी,वित्तीय)	सम्बन्धित क्षेत्र का पर्याप्त अनुभव एवं बर्हिमुखी व्यक्तित्व	60000.00 से ऊपर, कार्य क्षमता लगनानुसार	अनुमानित अवसर

ट्यूटर/कोच	10+2 से पीएचडी तथा बीएड/बीटीसी/एलटी	10000.00 से ऊपर	अनुमानित अवसर
वास्तुविद	वास्तुशास्त्र में डिग्री	20000.00 से ऊपर	अनुमानित अवसर
ब्यूटीशियन	व्यूटीशियन कोर्स में डिप्लोमा	6000.00 से ऊपर	अनुमानित अवसर

03- कम शिक्षितों के लिए सेवायोजन के अवसर :

कम शिक्षित पुरुष तथा महिलाओं के लिये कारीगर, मैकेनिक, आया, महरी, माली, प्लम्बर, वायरमैन, होम डिलीवर, पोर्टर, चौकीदार, सिक्योरिटी गार्ड के कैरियर अपना सकने के असीमित अवसर हैं।

कुछ प्रमुख नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम :

वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के युग में परम्परागत पाठ्यक्रम नाकाफी हो चले हैं। बेहतर भविष्य के लिए रोजगार परक उद्योगोन्मुखी पाठ्यक्रमों को अपनाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद तथा व्यावसायिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने ऐसे ही रोजगार परक पाठ्यक्रमों की ऋंखला शुरू की है। युवाओं को बेहतर भविष्य की राह दिलाते ये पाठ्यक्रम विभिन्न राजकीय, अनुदानित या निजी क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में संचालित हो रहे हैं। इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा या मैरिट के आधार पर होता है। इसके लिए शैक्षिक योग्यताएं अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए भिन्न न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएं निर्धारित की गयी है।

1. डिप्लोमा इन्जीनियरिंग, टेक्नालाजी पाठ्यक्रम हेतु विज्ञान व गणित के साथ हाईस्कूल ।
2. गारमेण्ट टेक्नालाजी, होम साइंस, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन डिजाइन व फैशन टेक्नालाजी हेतु हाईस्कूल या समकक्ष ।
3. माडर्न आफिस मैनेजमेण्ट व सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस पाठ्यक्रम के लिए हिन्दी व अंग्रेजी विषयों के साथ इण्टरमीडिएट होना चाहिए ।
4. लाइब्रेरी व इन्फार्मेशन साइंस के लिए इण्टरमीडिएट ।
5. डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रम के लिए भौतिक व रसायन विज्ञान एवं गणित के साथ इण्टरमीडिएट ।
6. पी0जी0 डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन व पी0जी0 डिप्लोमा इन मार्केटिंग एण्ड सेल्स मैनेजमेण्ट के लिए स्नातक ।
7. डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेण्ट एण्ड कैटरिंग टेक्नालाजी के लिए अग्रेजी विषय के साथ इण्टरमीडिएट ।

इस प्रकार वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा/ प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा अपने भावी कैरियर का चुनाव कर सकते हैं।